अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई

परीक्षा सत्र : नवम्बर/दिसम्बर 2018

परीक्षा का नाम : अलंकार प्रथम

विषय : तबला-पखावज (प्रथम प्रश्नपत्र)

दि. 11/11/2018 **समय : सुबह 9 से 12** **कुल अंक : 100**

सूचनाएँ : (१) **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है।

(२) शेष प्रश्नों में से **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखे।

(३) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखे।

(४) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र. 1. लिपिबध्द कीजिए। (कोई भी दो) : **(10+10=20)**

(१) तीनताल/आदिताल में तिपल्ली और चौपल्ली गत।

(2) झपताल में तिस्त्र जाति का कायदा तीन पल्टे और तिहाई सहित।

(3) सूलताल मे पानसे घराने की दो साथ परने तथा चक्रदार।

(4) रूपक / तिवरा ताल में फरमाईशी चक्रदार।

प्र. 2. निम्नलिखित शब्दों की सोदाहरण परिभाषा दीजिये तथा वर्तमान ताल पध्दति मे इनकी उपयोगिता के बारे में अपने तर्कपूर्ण विचार लिखे। **(4x5=20)**

(१) ग्रह (२) जाति (३) लय (४) यति

प्र. 3. (अ) तिहाई और तिहाई के प्रकारों को समझाईये तथा निम्न लिखित बोलों के आधार पर ताल चौताल और जयताल मे सम से समतक एक एक तिहाई को लिपिबध्द करे। **(10+10=20)**

बोल - तकिटतकाकिट धुमकिटतकधुम किटतकगदिगन धा,

(ब) बेदम चक्रदार की परिभाषा लिखे तथा किसी भी ताल मे एक बेदम चक्रदार को लिपिबध्द कीजिये।

प्र. 4. विभिन्न वादन शैलियों का विकास तथा विद्वान कलाकारों का योगदान और कार्य के आधार पर तबला अथवा पखावज वाद्य का इतिहास लिखिये। **(20)**

प्र. 5. भारतीय शास्त्रीय संगीत मे प्रयुक्त किसी दो अवनध्द वाद्यों की, बनावट के आधार पर सचित्र जानकारी दीजिये। पाश्चात्य अवनध्द वाद्यों के साथ इनकी तुलना कीजिये। (10+10=20)

प्र. 6. 'नाद' की स्पष्ट परिभाषा दीजिये। नाद का छोटा-बडापन, नाद की जाति अथवा गुण, नाद की ऊँचाई-नीचाई तथा गुणधर्म का विवेचन कीजिये। **(5+5+5+5=20)**

प्र. 7. संक्षेप में लिखिये : **(10+10=20)**

(अ) मार्ग ताल पध्दति।

(ब) एकताल, द्विकल, चतुष्कल।